Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding speeding of Gauge conversion work between Saharsa to Farbisganj.

श्री दिलेश्वर कामैत (सुपौल): माननीय अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम मैं आपके प्रति आभार प्रकट करता हूं कि आपने मुझे शून्य काल में समय दिया । मैं आपके माध्यम से अपने संसदीय क्षेत्र सुपौल, बिहार की अतिसंवेदनशील समस्या को सरकार के सामने रखना चाहता हूं । सुपौल, कोशी प्रमंडल का अति पिछड़ा क्षेत्र है, जिसे कभी बाढ़, कभी सूखा, कभी अतिवृष्टि और कभी अनावृष्टि का सामना करना पड़ता है ।

महोदय, वर्ष 2008 में इस जिले में प्रलयंकारी बाढ़ आई थी जिसमें राघोपुर से फारबिसगंज तक रेल लाइन तथा पुल ध्वस्त हो गया था और बाढ़ में बह गया था, किन्तु अभी तक वहां रेल का परिचालन नहीं हो सका है । सहरसा से राघोपुर वर्ष 2016 में ही बड़ी लाइन आमान परिवर्तन के लिए बंद, माननीय रेल मंत्री जी के प्रयास से अभी हाल में सहरसा से गढ़बरूआरी मात्र 20 किलोमीटर ही रेल परिचालन शुरू हो सका है । किन्तु अभी गढ़बरूआरी से फारबिसगंज वाया सरायगढ़ के आमान परिवर्तन का कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है ।

महोदय, आपके माध्यम से मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि जनहित में पूर्व मध्य रेलवे के सहरसा से फारबिसगंज रेल खंड के आमान परिवर्तन का कार्य जल्द से जल्द पूरा कराया जाए ताकि उस पर रेलगाड़ी का परिचालन शुरू हो सके । जिससे क्षेत्र की जनता को रेल सुविधा प्राप्त हो सके और यह क्षेत्र भी विकास के पथ पर आगे बढ़ सके ।

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री दिलेश्वर कामैत द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

मैं माननीय सदस्यों से आग्रह करना चाहूंगा कि अति आवश्यक हो, तभी चेयर के पास आएं, नहीं तो सभी आवश्यक सूचनाएं टेबल पर दें ।